

नशे के लिये सर्प-वषि का प्रयोग

स्रोत: डाउन टू अर्थ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [वन्यजीव \(संरक्षण\) अधिनियम, 1972](#) तथा [भारतीय दंड संहिता \(भारतीय न्याय संहिता, 2023\)](#) के तहत एक रेव पार्टी में कथित तौर पर सर्प-वषि उपलब्ध कराने के आरोप में पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है।

सर्प-वषि एवं उसके उपयोग के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

परिचय:

- वैश्विक स्तर पर लगभग 3400 सर्प प्रजातियों में से, भारत में सर्प की लगभग 300 प्रजातियाँ हैं जो पूरे देश में विभिन्न स्थानों में पाई जाती हैं।
- सर्पों के प्रकार: यह प्रजाति 4 परिवारों के अंतर्गत आती है- कोलुब्रिडि, एलापिडि, हाइड्रोफिडि एवं वाइपरिडि।
- वषिले सर्प: भारत में पाई जाने वाली 300 से अधिक प्रजातियों में से 60 अधिक वषिली, 40 कम वषिली और लगभग 180 वषिली नहीं है।
 - सर्प-वषि (अत्यधिक वषिला लार) वषिले सर्पों द्वारा सर्प के माध्यम से किया जाता है, जो वषिष ग्रंथियों में संश्लेषित और संग्रहित होता है।
- वषि की वषिषता: सर्प-वषि वषिषित रासायनिक एवं जैविक गतिविधियों के साथ कम आणविक द्रव्यमान वाले एंजाइमों, पेप्टाइड्स एवं प्रोटीन का एक जटिल मिश्रण है।
 - सर्प-वषि में कई न्यूरोटॉक्सिक, कार्डियोटॉक्सिक और साइटोटॉक्सिक, तंत्रिका वृद्धि कारक, लेक्टनि, डिसिइंट्रिगनि, हेमोरेजनि तथा कई अन्य विभिन्न एंजाइम होते हैं।

सर्प-वषि का प्रयोग:

- कुछ वषिष सर्प प्रजातियों, जैसे- कोबरा, करैत और ब्लैक माम्बा का उपयोग औषधीय तथा बेहोशी के प्रयोजनों के लिये किया जाता है।
- औषधीय उपयोग:
 - आयुर्वेद, होम्योपैथी और लोक चिकित्सा में विभिन्न पैथोजियोलॉजिकल स्थितियों के लिये सर्पवषि के उपयोग का उल्लेख किया गया है।
 - इसका उपयोग थरोमबोसिस, गठिया, कैंसर और कई अन्य बीमारियों के इलाज के लिये भी किया जाता है।
 - सबसे प्रसिद्ध उदाहरणों में से एक एंटीवेनम उत्पादन में सर्पवषि का उपयोग है।
- मादक उपयोग:
 - कम वैज्ञानिक अनुसंधान के बावजूद, सर्प-वषि को प्रायः मादक औषधि/पदार्थ के रूप में उपयोग किया जाता है। इसकी तस्करी करोड़ों डॉलर का अवैध उद्योग है।
 - कोबरा के वषि में पाए जाने वाले न्यूरोटॉक्सिन के विभिन्न रूप, वषिष रूप से, निकोटिनिक एसिटिलकोलाइन रसिप्टर्स (nAChRs) पर बंध बनाते हैं जो मानव मस्तिष्क क्षेत्र में व्यापक रूप से वितरित होकर उत्साहपूर्ण अनुभव प्रदान करते हैं।
 - लोग "मांसपेशायि पक्षाघात और एनाल्जेसिया" (चेतन रहते हुए भी दर्द महसूस करने की क्षमता का ह्रास) तथा उनीदापन का भी अनुभव करते हैं।

वनियमन:

- अधिकांश मनो-सक्रिय 'दुरुपयोगी पदार्थों' का उपयोग और व्यापार [नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस अधिनियम](#) के तहत आता है, लेकिन सर्प-वषि के तहत नहीं।
 - NDPS अधिनियम, 1985 किसी व्यक्ति को किसी भी नशीली दवा या मनो-दैहिक पदार्थों के उत्पादन, रखने, बेचने, खरीदने, परिवहन, भंडारण और/या उपभोग करने पर प्रतिबंध लगाता है।
- सर्प और उनके वषि से जुड़े मामले वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के दायरे में आते हैं।
- [IPC की धारा 120A \(आपराधिक षडयंत्र\)](#) में मनोरंजन (Recreational) के लिये सर्प-वषि से संबंधित अपराध भी शामिल हैं।

KNOW YOUR SNAKES

COMMON SAND BOA VS RUSSELL'S VIPER

Common Sand Boa (*Eryx conicus*)

- Non-venomous
- 1 to 2 ft long
- Relatively small head; neck indistinct
- Conical tail
- Asymmetrical pattern



Russell's Viper (*Daboia russelii*)

- Venomous
- 4 to 6 ft long
- Larger, triangular head; distinct neck
- Blunt tail
- Well defined round/oval with pointy ends



INDIAN WOLF SNAKE VS COMMON KRAIT

Indian Wolf Snake (*Lycodon aulicus*)

- Non-venomous
- 1 to 2 ft long
- Round body, without ridge
- Wide bands; broad band on neck
- Scales similar throughout



Common Krait (*Bungarus caeruleus*)

- Venomous
- 3 to 4 ft long
- Triangular body; ridge along spine
- Narrow bands; more prominent posteriorly
- Hexagonal vertebral scales



INDIAN RAT SNAKE VS INDIAN COBRA

Indian Rat Snake (*Ptyas mucosa*)

- Non-venomous
- 6 to 8 ft long
- Doesn't form a hood
- Lower lips with black bands
- Diurnal



Indian Cobra (*Naja naja*)

- Venomous
- 3 to 5 ft long
- Raises hood when threatened
- No black bands on lips
- Crepuscular and diurnal



नोट:

- नशीले पदार्थ केंद्रीय तंत्रिका तंत्र पर कार्य करते हैं और व्यक्तिकी मनोदशा, धारणा तथा चेतना को बदल देते हैं।
 - साइकोएक्टवि पदार्थ की प्रकृतिके आधार पर, वे या तो मामूली प्रकार के मनोवैज्ञानिक प्रभाव उत्पन्न करते हैं, जैसे- उत्साह, चिंता, पृथक्करण, भावनात्मक कुंदता आदिया अधिक असामान्य प्रभाव, जैसे- मतभ्रम, सनिस्थेसिया, परिवर्तित स्थान-समय सातत्य और रहस्यमय अनुभव।
- सबसे अधिक उपयोग किये जाने वाले हेल्सिनोजेन में मशरूम, कैनबिस, मेस्कैलिन, लसैरजिक एसडि डायथाइलैमाइड (LSD), डाइमथाइलट्रिप्टामाइन (DMT) और मेथलीनडाइऑक्सीमेथामफेटामाइन (MDMA) शामिल हैं।

- आमतौर पर उपयोग किये जाने वाले जीव-जंतु में से कुछ हैं- क्लाउनफिश और रैबटिफिश जैसी हेल्थीनोजेनिक मछलियाँ, टोड जैसे उभयचर, लाल हार्वेस्टर चींटियाँ जैसी चींटियाँ, इंडियन वॉल लज़िर्ड जैसे सरीसृप और जरिफ के यकृत तथा अस्था भिज्जा ।

और पढ़ें: [सर्पदंश वधि](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2019)

1. समुद्री कचछपों की कुछ जातयिँ शाकभकषी होती हैं ।
2. मछली की कुछ जातयिँ शाकभकषी होती हैं ।
3. समुद्री सतनपाइयों की कुछ जातयिँ शाकभकषी होती हैं ।
4. सर्पों की कुछ जातयिँ सजीव प्रजक होती हैं ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2, 3, और 4
- (c) केवल 2 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

प्रश्न. कगि कोबरा एकमात्र ऐसा सर्प है जो अपना घोंसला स्वयं बनाता है । यह अपना घोंसला क्यों बनाता है? (2010)

- (a) यह सर्प खाता है और घोंसला अन्य सर्पों को आकर्षति करने में मदद करता है ।
- (b) यह एक जरायुज सर्प है और इसे अपनी संतति को जन्म देने के लयि घोंसले की आवश्यकता होती है ।
- (c) यह एक अंडज सर्प है जो घोंसले में अपने अंडे देता है और अंडे परस्फुटति होने तक घोंसले की रक्षा करता है ।
- (d) यह एक बड़ा, शीत-रकतीय जीव है और शीत ऋतु में शीतनदिरा में रहने के लयि इसे घोंसले की आवश्यकता होती है ।

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कसि सर्प का आहार मुख्यतः अन्य सर्प होते हैं? (2008)

- (a) करैत
- (b) रसेल वाइपर
- (c) रैटलस्नेक
- (d) कगि कोबरा

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न. क्या एंटीबायोटकिों का अत-उपयोग और डॉक्टरी नुसखे के बनिा मुक्त उपलब्धता, भारत में औषधि-प्रतशिधी रोगों के अंशदाता हो सकते हैं? अनुवीक्षण और नयितरण की क्या क्रयिावधियिँ उपलब्ध हैं? इस संबंध में वभिनिन मुद्दों पर समालोचनात्मक चर्चा कीजयि । (2014)